डिप्लोमा इंजीनियर्स ने सीएम राहत में देंगे दो दिन का वेतन

भोपाल(शप्र)। मध्य प्रदेश में कोरोना संक्रमण से बचाव के उपाय, उपचार एवं दिहाड़ी मजदूरों व प्रतिदिन कमाकर चूल्हा जलाने वालो की आर्थिक सहायता हेतु मध्य प्रदेश डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन के समस्त सदस्य अपने दो दिन का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा करेंगे। एसोसिएशन के अध्यक्ष धमेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि सभी विभागों व योजनाओं में कार्यरत संविदा एवं नियमित, उपयंत्री, सहायक यंत्री, कार्यपालन यंत्री से निवेदन किया गया है।

सांसद तीन जिला अस्पतालों को देंगे एक-एक वेंटीलेटर

भोपाल (नप्र)। खजुराहो से भाजपा सांसद व पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की सुरक्षा के लिए अपने संसदीय क्षेत्र के तीन जिला अस्पतालों एक-एक वेंटीलेटर देने का ऐलान किया है। उन्होंने इसके लिए तीस लाख रुपए प्रदान किए हैं। खजुराहो संसदीय सीट में पन्ना, कटनी और छतरपुर के जिला अस्पताल आते हैं।

राजधानी में शाम को तेज हवा के साथ जोरदार बारिश

मुख्य प्रतिनिधि, भोपाल

- 30 मार्च तक मौसम साफ होने के आसार नहीं
- 30 किमी प्रति घंटा पर पहुंची हवा की रफ्तार

राजधानी में बुधवार शाम को बादलों की गड़गड़ाहट के बीच तेज हवा के साथ जोरदार बारिश हुई। इस दौरान हवा की गति 30 किमी प्रति घंटा पर पहुंच गई थी। बारिश के कारण तापमान में गिरावट आने से लोगों को काफी हद तक गर्मी से राहत मिली। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि 30 मार्च तक मौसम में उतार-चढ़ाव के आसार हैं। राजधानी में बुधवार सुबह से ही आसमान पर आंशिक बादल छाए रहे। दोपहर में धूप चमकती रही और फिर आसमान पर बादल छा गए। शाम के समय बादलों की गरजन के बीच आसमान पर बिजली चमकती रही। शाम करीब 4.30 बजे तेज बारिश शुरू हो गई। कुछ देर बाद बारिश थम गई। इसके बाद बूंदाबांदी चलती रही।

इसलिए बदल गया मौसम: मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि राजस्थान में ऊपरी हवा में चक्रवात बना होने के कारण मप्र में मौसम बदल गया है। चक्रवात के कारण भोपाल के अलावा ग्वालियर, चंबल, इंदौर, उज्जैन और होशंगाबाद संभाग में मौसम में बदलाव गया है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान में बने पश्चिमी विक्षोभ भारत की तरफ आ रहे हैं। इस कारण 30 मार्च तक प्रदेश में मौसम के साफ होने के आसार नहीं हैं।

कमलनाथ की विवादास्पद टिप्पणी के कारण गिरी कांग्रेस की सरकार

पूर्व मंत्रियों ने कहा-पंद्रह महीने से उपेक्षा झेल रहे थे सिंधिया

नगर प्रतिनिधि, भोपाल

कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थामने वाले मध्यप्रदेश के छह पूर्व मंत्रियों ने बुधवार को कहा कि कमलनाथ के नेतृत्व वाली मध्यप्रदेश की कांग्रेस सरकार गिराने का कोई इरादा नहीं था। उन्होंने कहा कि सरकार गिरने का मुख्य कारण तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ की वह विवादास्पद टिप्पणी थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि पूर्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को सड़क पर उतरना है, तो उतर जाएं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार बनने के बाद से हमारे नेता (सिंधिया) का पार्टी में अपमान हो रहा था।

मंत्रिमंडल से बर्खास्तगी और विधायक के पद से इस्तीफा देने के बाद सभी छह पूर्व मंत्रियों ने पहली बार मुंह खोला है। इन मंत्रियों में तुलसी सिलावट, डा. प्रभुराम चौधरी, महेंद्र सिंह सिसोदिया, गोविंद सिंह राजपूत एवं प्रद्युम्न सिंह तोमर शामिल हैं। पूर्व मंत्रियों ने कहा कि हमारे नेता सिंधिया की कांग्रेस और कमलनाथ की तत्कालीन सरकार द्वारा पिछले 15 महीने से उपेक्षा की जा रही थी। दरअसल 12 फरवरी को टीकमगढ़ जिले के कुंडीला गांव में एक

सभा को संबोधित करते हुए सिंधिया ने मध्यप्रदेश के कालेजों में पढ़ाने वाले अतिथि शिक्षकों के मुद्दे पर कांग्रेस सरकार द्वारा वादे पूरे नहीं करने पर सड़क पर उतरने की बात कही थी। इस पर तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ ने दिल्ली में टिप्पणी करते हुए कहा था कि यदि सिंधिया सड़क पर उतरना चाहते हैं, तो उतर जाएं।

पूर्व मंत्रियों ने कहा कि असलियत में सिंधिया के चेहरे के कारण वर्ष 2018 में मध्यप्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस 15 साल बाद सत्ता में आई थी। इस चुनाव में कांग्रेस ने अपने वचन पत्र में कई वादे किए थे, लेकिन वादे सरकार बनने के 14 महीने बाद भी पूरे नहीं हुए। इसलिए हमारे नेता सिंधिया ने वादे पूरे नहीं करने पर सड़क पर उतरने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि सिंधिया की इस चिंता को दूर करने के बजाय कमलनाथ ने हमारे नेता को नीचा दिखाने के लिए कहा था कि यदि सिंधिया सड़क पर उतरना चाहते हैं, तो उतर जाएं। इससे आहत होकर सिंधिया ने कांग्रेस छोड़ने का फैसला किया और भाजपा में शामिल हो गए। उनके साथ कांग्रेस के 22 विधायक भी कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में चले गए। इससे कांग्रेस सरकार अल्पमत में आ गई, लिहाजा नाथ सरकार को इस्तीफा देना पड़ा। नाथ सरकार गिरने के कारण भाजपा की मध्यप्रदेश में सरकार बन गई है।

दिग्विजय ने भारत के हर कोने में मेरा और लक्ष्मण जी का अपमान किया

भोपाल, मुप्र। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के ट्वीट को उनके छोटे भाई विधायक लक्ष्मण सिंह की पत्नी रुबीना सिंह ने रिट्वीट कर दिग्विजय पर निशाना साधा है। उन्होंने लिखा कि यह सच नहीं है, हुकुम। दिग्विजय सिंह ने भारत के हर कोने पर मेरा और लक्ष्मण जी का अपमान किया। यहां तक कि उन्होंने उन्हें अपना भाई मानने से इनकार कर दिया था। एक बड़े भाई के रूप में बुरे से बुरे काम किए। एक मंत्री के लिए उन्हें दरकिनार कर दिया गया, ताकि बेटे और खुद को समायोजित किया जा सके!! ये मत भूलिए। रुबीना सिंह इससे पहले भी परिवार से जुड़े मुद्दों पर बेबाकी से ट्वीट कर अपनी राय जाहिर कर चुकी हैं।

लक्ष्मण सिंह की पत्नी ने ट्वीट कर दिग्विजय सिंह पर साधा निशाना

हम करें तो गद्दार: इससे पहले पूर्व श्रम मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया ने भी दिग्विजय सिंह के ट्वीट को रिट्वीट कर कहा था कि कृष्ण करें तो लीला, मानस करे तो पाप। भाई करे तो आत्म सम्मान, हम करें तो गद्दार। वाह राजा साहब ये दोहरा मापदंड क्यों? गौरतलब है कि दिग्विजय सिंह ने ट्वीट कर कहा था कि मप्र की जनता के नाम मेरा खुला पत्र। मप्र के जनादेश को नीलाम कर गए सिंधिया। इसमें उन्होंने कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाने पर सिंधिया पर निशाना साधा था।

मंत्रिमंडल विस्तार व अन्य कार्य 14 अप्रैल के बाद

विशेष संवाददाता, भोपाल

मुख्यमंत्री ने दिए संकेत कहा कोरोना से निपटना पहली प्राथमिकता

प्रदेश में कोरोना के बढ़ते प्रकोप को रोकना सरकार की पहली प्राथमिकता है। इसके लिए सरकार ने पूरी तैयारी कर ली है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, मुख्यसचिव इकबाल सिंह बैंस सहित पूरा अमला इस समय वैश्यिक महामारी कोरोना से निपटने में पूरी ताकत लगा दी है। इसी कारण अन्य सभी कार्य लगभग बंद कर दिए गए हैं। प्रधानमंत्री के एलान पर आगामी चौदह अप्रैल तक पूरा देश लाकडाउन रहेगा और लोगों को घरों से निकलने पर पाबंदी रहेगी। इस कारण मंत्रिमंडल विस्तार व अन्य बड़े प्रशासनिक फेरबदल चौदह अप्रैल के बाद ही होंगे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खुद इस बात के संकेत दिए है। इससे मंत्री के दावेदारों को अभी प्रतीक्षा करना पड़ेगा। पहले यह चर्चा थी कि जिस तरह मुख्यमंत्री को बिना तामझाम व भीड़भाड के शपथ दिला दी गई, इसी तरह मंत्रियों को भी शपथ दिला दी जाए, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने विधायकों से अपने-अपने घरों में रहने और विधानसभा क्षेत्र पर पूरी नजर रखने को कहा है। साथ ही यह भी कहा है कि विधायक भी इस बात पर नजर रखें कि मध्यप्रदेश में जरूरी वस्तुओं का संकट नहीं होगा। मुख्यमंत्री के निर्देश पर अधिकांश विधायक अपने-अपने क्षेत्र में पहुंच गए है। सिंधिया समर्थक 22 बागी पूर्व विधायक भी अपने-अपने क्षेत्र में पहुंच गए हैं। पूर्व विधायकों ने दूरभाष पर विधानसभा के प्रमुख लोगों से बातचीत भी करना शुरू कर दिया है, क्योंकि उन्हें आगे विधानसभा चुनाव लड़ना है। इसी पर उनका भविष्य टिका है।

सहकारिता में की गई राजनीतिक नियुक्तियां रद्द, अपेक्स बैंक से हटाए गए अशोक सिंह

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई वाली भाजपा सरकार ने बड़ा फैसला किया है। सरकार ने सहकारिता विभाग में की गई राजनीतिक नियुक्तियों को रद्द कर दिया है। अपेक्स बैंक के प्रशासक अशोक सिंह को भी हटा दिया गया है। ग्वालियर-चंबल इलाके में अशोक सिंह को कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का विरोधी माना जाता रहा है। मध्यप्रदेश सरकार ने इस संबंध में बुधवार को आदेश जारी कर दिया है। उक्त आदेश के तहत अपेक्स बैंक के प्रशासक अशोक सिंह समेत जिलों में की गई नियुक्तियों को भी हटा दिया गया है। सिंह का प्रभार सहकारिता विभाग के आयुक्त एमके अग्रवाल को दिया गया है। सिंह के साथ भोपाल दुग्ध महासंघ के प्रशासक तवर सिंह को भी हटा दिया गया है। उनका प्रभार पशुपालन विभाग के प्रमुख सचिव डीपी आहूजा को दिया गया है। प्रदेश के 29 सहकारी केंद्रीय बैंक से कांग्रेस द्वारा नियुक्त किए गए प्रशासकों को हटाकर संबंधित जिलों के उप पंजीयक सहकारिता को प्रशासक बनाया गया है। जिन जिलों से प्रशासक हटाए गए हैं, उनमें भोपाल, शहडोल, सीधी, रीवा, नरसिंहपुर, मंडला, छिंदवाड़ा, बालाघाट, सिवनी, जबलपुर, दमोह, सागर, टीकमगढ़, गुना, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, मुरैना, भिंड, मंदसौर, रतलाम, शाजापुर, उज्जैन, झाबुआ, बैतूल, धार, दिौर, राजगढ़ और विदिशा शामिल हैं।

ग्वालियर-चंबल इलाके में सिंधिया के विरोधी माने जाते रहे हैं सिंह

शोभा ओझा को महिला आयोग की अध्यक्ष बनाने की अधिसूचना निरस्त

भोपाल, मुप्र । राज्य शासन ने कांग्रेस नेता शोभा ओझा को मप्र महिला आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की अधिसूचना निरस्त कर दी गई है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। उधर, शोभा ओझा का कहना है कि प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न आयोगों में की गई नियुक्तियों को रद्द करने का फैसला न केवल असंवैधानिक है, बल्कि राजनीतिक विद्वेष की भावना का निंदनीय प्रतीक है। आयोग संवैधानिक संस्था होते हैं और उनके अपने नियम व अधिनियम होते हैं, जिनके तहत ही वे अध्यक्षों या सदस्यों को हटा सकते हैं। नई सरकार के इस तानाशाही और द्वेषपूर्ण फैसले के खिलाफ हम कोर्ट में जाएंगे।

नॉट विजिट का नोटिस लगाने गए निगरानी दल से भिड़ी युवती, लौटा अमला

कोरोना ड्यूटी कर रहे पटवारी और निगरानी दल को संक्रमित करने का किया प्रयास

शहर संवाददाता, भोपाल

कोरोना वायरस संक्रमण को रोकने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत संदिग्ध व्यक्तियों के घरों के बाहर डू नॉट विजिट का नोटिस चस्पा किया जा रहा है। इस नोटिस को लेकर बुधवार को विवाद की स्थिति बन गई। संदिग्ध युवति ने न सिर्फ नोटिस को फाड़ दिया, बल्कि नोटिस चस्पा करने गए प्रशासन, स्वास्थ्य और नगर निगम के कर्मचारियों को संक्रमित करने का प्रयास भी किया। विवाद के बाद निगरानी दल वापस लौट गया। बताया जा रहा है कि इस मामले की शिकायत तहसीलदार गोविंदपुरा से की गई है।

दरअसल, अपर कलेक्टर भोपाल द्वारा द्वारा चिकित्सा सहायकों, वार्ड प्रभारियों के साथ पटवारीयों की ड्यूटी विभिन्न वार्डों में संदिग्ध लोगों की जानकारी एकत्रित करने में लगाई गई है। ये लोग संदिग्ध लोगों के यहां नोटिस चस्पा कर रहे हैं। जानकारी अनुसार वार्ड 70 पंजाबी बाग में उक्त निगरानी दल जिसमें नवीन पटवारी सुरेंद्र प्रताप सिंह यादव, वार्ड प्रभारी एहसान अली एवं लिपिक तारिक अली द्वारा कोरोना संदेही व्यक्तियों की जांच का कार्य किया जा रहा था। बुधवार को स्टर्लिंग शालीमार स्थित संदिग्ध युवती जो विराज शालीमार स्टर्लिंग गोविंदपुरा में रहती हैं। उसके घर कोविड 19 डू नॉट विजिट का नोटिस चस्पा करने दल गया था। लेकिन दल के नोटिस लगाते ही संदिग्ध लड़की व उसके परिजन द्वारा दल से बदतमीजी की गई। यहीं नहीं जब पटवारी इसका वीडियों बनाने लगे तो उनके कार्य में बाधा डालते हुए युवती ने झूमाझटकी की। उसने पटवारी की नेमप्लेट तोड़ दी। जिसके बाद निगरानी दल वहां से अपनी जान बचाकर भागा।

तहसीलदार को दिया जांच प्रतिवेदन, 188 के तहत कार्रवाई की मांग

निगरानी दल द्वारा उक्त घटना की जानकारी वहां पर आसपास मौजूद निवासियों को दी गई। उक्त घटना का एक पंचनामा तैयार कर संबंधित के खिलाफ धारा 188 की कार्यवाही करने का प्रतिवेदन तहसीलदार को दिया है। बताया जा रहा है कि इस मामले को कलेक्टर के समक्ष रखा जाएगा। इसके बाद ही कार्रवाई की जाएगी।

इंदौर में डेढ़ सौ संदिग्धों के होने की सूचना प्रशासन दे रहा लोगों के घरों में दस्तक

इंदौर में कोरोना ने पैर पसारे, जांच के लिए भेजे गए 13 सेंपल में से पांच पाजिटिव मिले, सभी अस्पताल में भर्ती

विशेष संवाददाता, इंदौर। इंदौर में नोवल कोरोना वायरस ने पैर पसार लिए हैं। जिला प्रशासन इस महामारी से बचाव के उपाय कर रहा है, लेकिन जांच के लिए भेजे गए तेरह में से पांच सेंपल पाजिटिव पाए गए हैं। उनकी रिपोर्ट आने के बाद उन्हें इंदौर के बांबे अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। शहर में तकरीबन डेढ़ सौ संदिग्धों के होने की सूचना मिली है। उनकी तलाश करने के लिए स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम की टीम घरों में दस्तक दे रही है।इंदौर में कोरोना को लेकर प्रशासन सतर्क है। बावजूद इसके इंदौर में पांच मरीजों में कोरोना का संक्रमण पाए जाने से जनता के साथ प्रशासन में भी हड़कंप मच गया है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इंदौर से अलग-अलग क्षेत्रों में कोरोना के संदिग्ध मरीज होने की सूचना आई थी, जिसके आधार पर विभाग की टीम ने सभी 13 मरीजों को आइसोलेट करते हुए उनके सेंपल लिए थे और जांच के लिए भेजा था। इंदौर से भेजे गए सेंपलों की रिपोर्ट आने के बाद पता चला है कि पांच लोग संक्रमित

हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार एक मरीज उज्जैन का है, जबकि एक-एक मरीज चंदन नगर, स्नेह नगर, मनीष बाग कालोनी और रानीपुरा के रहने वाले हैं। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती रखा गया है।

स्टेज थ्री के बताए जा रहे हैं मरीज: इंदौर में कोरोना के पाजिटिव पाए गए पांच मरीजों को तलाशा गया है, उनके बारे में बताया जा रहा है कि वे किसी अन्य स्थान पर भ्रमण करने या विदेशों से नहीं आए हैं, बल्कि इंदौर में ही रहते हैं। इसलिए यह मामला गंभीर माना जा सकता है। प्रशासन इस बात पर भी गंभीर हो गया है कि स्थानीय रहवासियों में यदि कोरोना का वायरस मिला है, तो मामला और भी चिंताजनक है। इंदौर में एक साथ मरीजों के मिलने की सूचना के बाद इसकी जानकारी भोपाल में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान तक तक पहुंचाई जा चुकी है। उसके बाद मुख्यमंत्री ने कर्फ्यू लगाने क निर्देश दिए हैं।

सभी मरीज पश्चिमी क्षेत्र के: प्रशासन ने जिन पांच कोरोना से पीड़ित मरीजों को तलाशा है, वे सभी इंदौर शहर के पश्चिम क्षेत्र के पाए गए हैं। यानी कोरोना के मरीजों का पता लगाने में जुटी टीम ने अब पश्चिम क्षेत्र को अपने टारगेट पर रखा है। प्रशासन ने पुलिस विभाग को पश्चिम क्षेत्र में बिना काम के भ्रमण करने वालों पर शिकंजा कसने के निर्देश दिए हैं।

सूचना के आधार पर 13 संदिग्ध मरीजों के सेंपल जांच के लिए भेजे गए थे। उनकी रिपोर्ट में पांच पीड़ित पाए गए हैं। बस्तियों या अन्य स्थानों से जैसे ही सूचना मिल रही थी, उसके आधार पर जांच-पड़ताल की जा रही है। पांच मरीजों के पाए जाने की जानकारी प्रशासन को दे दी गई है।

डॉ. प्रवीण जड़िया, सीएमएचओ इंदौर

- केंद्र सरकार द्वारा जिला स्तर पर ऐसे लोगों की सूची भेजी गई है, जो विदेश यात्रा कर चुके हैं। इंदौर को जो सूची मिली थी, उसके आधार पर इंदौर जिले के करीब 3100 लोग विदेश यात्रा करके आए हैं। इनमें से 850 घरों पर दस्तक देकर प्रशासन, नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने विदेश यात्रा करने वालों के सेंपल लिए हैं और उन्हें उनके घरों में आइसोलेशन पर कर दिया गया है। इस सूची के आधार पर करीब 150 परिवारों के नाम बाकी हैं, जिनका परीक्षण आज शाम तक पूरा कर लिया जाएगा।

लोकेश कुमार जाटव, कलेक्टर इंदौर

पत्रकार के कोरोना वायरस से संक्रमित होने पर मीडिया जगत में खलबली

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के कोरोना संक्रमण से पीड़ितों में भोपाल के एक पत्रकार के भी शामिल होने की जानकारी के बाद मीडिया जगत में खलबली मची हुई है। पत्रकार 20 मार्च को मुख्यमंत्री निवास में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की पत्रकार वार्ता में मौजूद थे। कमलनाथ की पत्रकार वार्ता के बाद वे प्रदेश विधानसभा में भी मौजूद थे।

भोपाल के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सुधीर डेहरिया ने बताया कि जो भी लोग संक्रमित पत्रकार के संपर्क में थे, उन्हें सलाह दी जाती है कि वह 14 दिनों के लिए घर में स्वयं को पृथक कर लें अगले कुछ दिनों में उन्हें यदि खांसी, ठंड और बुखार जैसे लक्षण दिखाई दें तो कोरोना नियंत्रण कक्ष में संपर्क करें। जर्नलिस्ट क्लब के अध्यक्ष दिनेश गुप्ता ने कहा कि यह बहुत ही गैर जिम्मेदाराना व्यवहार है। केंद्र सरकार ने बार-बार विदेश यात्रा करने वाले लोगों और उनसे संपर्क में आने वाले लोगों को बचने की सलाद दी है। ऐसे में जिला प्रशासन को ऐसे लोगों को अलग रखना चाहिए था। प्रदेश के जन संपर्क आयुक्त पी. नरहरि ने एक संदेश जारी कर पत्रकारों से कहा कि जो भी पत्रकार कमल नाथ पत्रकार वार्ता में उपस्थित थे, उन्हें स्वयं को तत्काल पृथक (क्वारंटीन) कर लेना चाहिए। नरहरि ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के अनुसार इस वायरस के कोई भी लक्षण पाए जाने पर इसकी जांच कराई जा सकती है।

बाइक से घर जा रहे निगम कर्मचारी को मारा पत्थर, अस्पताल में आया होश

भोपाल (शप्र)। बाइक से घर जा रहे निगम कर्मचारियों को चेतक ब्रिज के पास किसी ने पत्थर मार दिया। वह अनियंत्रित होकर नीचे गिर गए। इसके बाद उन्हें अस्पताल में होश आया। गोविंदपुरा पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर दिया है। पुलिस लूट की वारदात से इंकार कर रही है। पुलिस के मुताबिक सुनील कुमार यादव पिता श्रीराम यादव (31), पानी की टंकी के पास फेस वन शांति निकेतन गोविंदपुरा में रहते है। वह नगर निगम मे उप पर्यवेक्षक के पद पर पदस्थ है। बीती 22 मार्च की रात को चूना भट्टी कोलार से अपने घर शांति निकेतन जा रहे थे। रात करीब पौने 11 बजे वह चेतक ब्रिज के पास कारगिल बस्ती पर पहुंचे ही थे कि किसी ने बाएं तरफ से तेज पत्थर मार दिया। सिर में पत्थर लगने से वह नीचे गिर गए। लोगों की मदद से आई 108 एंबुलेंस जेपी अस्पताल लेकर पहुंची, जहां से हमीदिया रेफर कर दिया। परिजनों को सूचना लगी, तो हमीदिया से नर्मदा अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उन्हें होश आया। टीआई अशोक परिहार का कहना है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने पत्थर मारा था। सामान नहीं लूटा गया है। अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है।

राजीव मोहन गुप्त द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' भोपाल से मुद्रित तथा जागरण भवन 33, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल से प्रकाशित आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त, संपादक : राजीव मोहन गुप्त, स्थानीय संपादक : हरिमोहन गुप्त
फोन : कार्या. : 0755-4103200 फैक्स : 0755-4059838 E-mail : modemdj@gmail.com। नगर प्रभारी : मृगेन्द्र सिंह पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचारों के चयन के लिये जिम्मेदार।